आदर्श प्रश्न- पत्र - 2

संकलित परीक्षा - I

विषय - हिंदी 'अ'

कक्षा - दसवीं

निर्धारित समय: 3 घण्टे **अधिकतम अंक: 90**

निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड है -
   खंड क- 20 अंक
   खंड ख- 15 अंक
   खंड ग - 35 अंक
   खंड घ - 20 अंक
2. चारो खंडो के प्रश्नो के उत्तर देना अनिवार्य है।

खंड-क

(अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नो के उत्तर के विकल्प छाँटकर लिखिए -**

''आज उस दीनबन्धु के लिए किसान रो रहे हैं, कौन उनकी उदर-ज्वाला को शांत करने के लिए स्वयं आग में कूद पड़ेगा? मजदूर रो रहे हैं, कौन उन पीड़ितों का नेतृत्व करेगा ? राजनितिक कार्यकर्ता रो रहे हैं, कौन उन्हें आश्रय देकर स्वयं आफ़त में फँसेगा ? उनके कंधे से कंधा मिलाकर स्वतंत्रता-संग्राम में आगे बढ़ेगा ? और एक कोने में पड़े हुए उनके कुछ पत्रकार बंधु भी अपने को निराश्रित पाकर चुपचाप आँसू भा रहे हैं, संकटकाल में कौन उन्हें सहारा देगा ?"

बनारसीदास चतुर्वेदी के उन उद्गार किसानों और मजदूरों के जिस हमजोली,स्वतंत्रता संग्राम के अद्भुत योद्धा और पत्रकारों के बंधु, मार्गदर्शक और सहायक की शहादत के अवसर पर प्रकट हुए उनका नाम है -गणेश शंकर विद्यार्थी | लगता है, वे अपने दोनों हाथों से अपना सब कुछ लुटा देने के लिए आए थे, कुछ पाने और समेटने के लिए नहीं | खुद को तिल-तिल जलाकर इंसानियत की मशाल बनने के लिए आए थे, धरा पर अँधेरा फैलाने के लिए नहीं |

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए |

(क) किसान क्यों रो रहे हैं?

(i) दीनबंधु अर्थात् गणेश विद्यार्थी की मृत्यु पर
(ii) भूख से
(iii) गणेश शंकर विधार्थी के मित्रों को देखकर
(iv) उपर्युक्त सभी के लिए

(ख) राजनितिक कार्यकर्ता क्यों रो रहे हैं?

(i) सत्ता नहीं मिलने पर

(ii) आश्रय छीन जाने पर

(iii) गणेश शंकर की मृत्यु पर

(iv) उपर्युक्त कोई नहीं

(ग) तिल-तिल जलना का अर्थ क्या है?

(i) धीरे-धीरे जलना

(ii) शरीर में आग लगाना

(iii) तिल का जलना

(iii) उपर्युक्त सभी

(घ) इंसानियत की मशाल कौन था?

(i) बनारसी दास चतुर्वेदी

(ii) देश ने नेता

(iii) दीनबंधु

(iv) इस देश के गरीब

(ङ) स्वतंत्रता में प्रत्यय है?

(i) स्व

(ii) ता

(iii) कोई प्रत्यय नहीं है

(iv) त्रता

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नो के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर खिए-**

यह एक ऐसी महिला की कहानी हैं, जिसने अपनी प्रतिभा और लगन से न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया में मान-सम्मान पाया है | इस विख्यात महिला का नाम है- महाश्वेता देवी | महाश्वेता का अर्थ है - दुर्गा य पार्वती | महाश्वेता एक महान लेखिका और समाज-सेविका थीं | इनका सारा जीवन गरीबों, दलितों और आदिवासियों की सेवा में बीता है | इसका लेखन भी उसी समाज-सेवा का एक हिस्सा है | लेखन के द्वारा इन्होने शोषित-पीड़ित जनों के अभावों और दुखों को सबके सामने प्रस्तुत किया है | वृद्ध होते हुए भी वे 16-17 घंटे काम करती थीं | महाश्वेता का जन्म 14 जनवरी, 1926 को ढाका में हुआ था | घर का वातावरण बच्ची महाश्वेता के विकास में बड़ा सहायक बना | उनके पिता मनीषचंद्र घटक प्रसिद्ध कवि और लेखक थे | उनकी माता धारित्री देवी भी एक लेखिका थी | वे अन्य भाषाओं से बँगला में अनुवाद भी करती थीं | उन्हें समाज-सेवा करने का भी शौक था | महाश्वेता को अपने माता-पिता के गुण विरासत में मिले |

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए |

(क) महाश्वेता को शाब्दिक अर्थ क्या है?

(i) दुर्गा

(ii) पार्वती

(iii) उपर्युक्त दोनों

(iv) इनमें से कोई नहीं

(ख) महाश्वेता का जन्म कहाँ हुआ था?

(i) कोलकाता

(ii) दिल्ली

(iii) ढाका

(iv) मेरठ

(ग) माता-पिता किस समास के अंतर्गत आएगा?

(i) द्वंद्व समास

(ii) बहुव्रीहि समास

(iii) कर्मधारय समास

(iv) तत्पुरुष समास

(घ) महाश्वेता देवी के पिता का क्या नाम है?

(i) यशचंद्र घटक

(ii) मनीषचंद्र घटक

(iii) सत्यजीत घटक

(iv) उपर्युक्त कोई नहीं

(ङ) इस गद्यांश का सार्थक शीर्षक क्या होगा?

(i) महाश्वेता: महान लेखिका

(ii) परिश्रम की मूर्ति महाश्वेता

(iii) महाश्वेता: एक परिचय

(iv) उपर्युक्त सभी

3. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नो के उत्तरों में से सही विकल्प छांटकर लिखिए।**

फिर से नहीं आता समय, जो एक बार चला गया,
जग में कहो बाधा-रहित कब कौन काम हुआ भला |'बहती नदी सूखे अगर उस पार मैं इसके चलूँ'
इस सोच में बैठा पुलिन पर, पार जा सकता भला?
किस रीति से क्या काम, कब करना, बनाकर योजना,
मन में लिए आशा प्रबल, दृढ़ जो वही बढ़ जाएगा |
उसको मिलेगा तेज, बल अनुकूलता सब ओर से,
वह कर्मयोगी, वीर अनुपम साहसी सुख पाएगा |

यह वीरभोग्या, जो हृदयतल में बनी वसुधा सदा,
करती रही आह्वान है, युग-वीर का, पुरुषत्व का |
कठिनाइयों में खोजकर पथ, ज्योति-पूरित को करे,
विजयी वही होता धरणि-सुत वरणकर अमरत्व का |

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनें |

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक कौन -सा है?

(i) समय की महत्ता
(ii) समय की पाबंदी
(iii) समयानुकूल कार्य करना
(iv) उपर्युक्त सभी

(ख) कविता का मूलभाव क्या है?

(i) कठिनाइयों की परवाह किये बिना साहस के साथ आगे बढ़ना
(ii) योजना बनाकर काम करना
(iii) उपर्युक्त दोनों
(iv) सही अवसर की तलाश करना

(ग) जीवन में कैसे व्यक्ति उन्नति करते हैं?

(i) कर्मयोगी
(ii) वीर
(iii) साहसी
(iv) उपर्युक्त सभी

(घ) वसुंधरा किसका आह्वान करती है?

(i) युगवीर का
(ii) पुरुषत्व का
(iii) उपर्युक्त दोनों का
(iv) कायरों का

(ङ) दृढ़ निश्चयी क्या प्राप्त करता है?

(i) तेज़
(ii) बल
(iii) अनुकूलतम
(iv) उपर्युक्त सभी

4. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नो के उत्तरों में से सही विकल्प छांटकर लिखिए। मैंने देखा -**

एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे
कुछ छोटे-छोटे पौधे
बड़े सुशील विनम्र
देखकर मुझको यों बोले-
हम भी कितने खुशकिस्मत हैं
जो खतरों का नहीं सामना करते |
आसमान से पानी बरसे, आगी बरसे
आँधी गरजे
हमको कोई फिक्र नहीं है
एक बड़े की वर्ड छत्र-छाया के नीचे
हम अपने दिन बिता रहे हैं |
बड़े सुखी हैं |
मैंने देखा-
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे-छोटे पौधे
असंतुष्ट और रुष्ट
देखकर मुझको यों बोले-
हम भी कितने बदकिस्मत हैं
जो खतरों का नहीं सामना करते
वे कैसे ऊपर को बढ़ सकते हैं |
इसी बड़े की छाया ने ही
हमको बौना बना रखा
हम बड़े दुखी हैं |

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनें |

(क) पौधे स्वयं को खुशकिस्मत क्यों समझते हैं?

(i) बरगद का वृक्ष उनकी रक्षा करता है

(ii) आँधी-पानी की परवाह नहीं है

(iii) बड़े की छत्र-छाया में पल रहे हैं

(iv) उपर्युक्त सभी

(ख) पौधे असंतुष्ट और रुष्ट क्यों हैं?

(i) खतरों का सामना नहीं करते

(ii) बड़े वृक्ष की छाया ने बोना बना रखा है

(iii) उपर्युक्त सभी

(iv) कोई नहीं

(ग) बरगद तथा छोटे पौधे किसके प्रतीक हैं?

(i) बरगद सामंतवाद तथा छोटे पौधे समाज के दबे कुचले लोगों के

(ii) ईश्वर एवं उनके अनुयायियों के

(iii) वनस्पति जगत के

(iv) मनुष्यता के

(घ) पौधे अपने-आपको बदकिस्मत क्यों समझते हैं?

(i) क्योंकि वे बड़े वृक्ष की छत्र-छाया में स्व-विकास से परे हैं

(ii) क्योंकि वे छोटे हैं

(iii) क्योंकि बड़ा वृक्ष छोटों पर ध्यान नहीं देता

(iv) क्योंकि बड़ा वृक्ष छोटे वृक्षों का भोजन खा जाता है

(ङ) विकास के लिए क्या ज़रूरी है?

(i) खतरों का सामना करना

(ii) बड़ों से लड़ना

(iii) बड़ों के आगे झुके रहना

(iv) बड़ों से दर कर रहना

खण्ड - ख

(व्याकरण)

5. **निम्नलिखित वाक्यों का भेद निर्धारित कीजिए |-**

(क) जैसे ही गार्ड ने हरी झंडी दिखाई गाड़ी चल दी |

(ख) आप इसीलिए उत्तीर्ण हो गए क्योंकि आपने कठिन परिश्रम किया |

(ग) सत्य बोलो, परन्तु कटु सत्य न बोलो |

(घ) आप चाय पिएँगे या कॉफ़ी वाक्य संबंधित है |

6. **निम्नलिखित वाक्यो में निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए।**

(क) 'लड़का तैरता है, वाक्य का भाववाच्य में रूपांतरण कीजिए |

(ख) 'हरीश निबंध पढ़ता है' वाक्य को कर्मवाच्य में परिवर्तित कीजिए |

(ग) 'मुझसे पत्र लिखा जाएगा' को कर्तृवाच्य में परिवर्तित कीजिए |

7. **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित का पद-परिचय लिखिए।**

(क) कबीर नीरजा के लिए मिठाई लाया |

(ख) शीत ऋतु में हिमालय का क्षेत्र पूर्णतया बर्फ से ढक जाता है |

(ग) बाढ़ से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है |

(घ) वाह! बहुत मनोरंजक कहानी है |

8. **काव्यांश पढ़कर उसमें निहित रस पहचानकर लिखिए:**

(क) एक पल, मेरी प्रिया के दृग - पलक,
थे उठे - ऊपर, सहज नीचे गिरे।
चपलता ने इस विकंपित पुलक से,
दृढ़ किया मानो प्रणय - संबंध था।

(ख) वीर रस का स्थायीभाव है?

(ग) भय किस रस स्थायीभाव है?

(घ) निम्नलिखित काव्यांश में कौन सा स्थायी भाव है?
जसोदा हरि पालने झुलावै।
हलरावै, दुलरावै, मल्हावै, जोई - सोई कछु गावै।

खण्ड - ग
(पाठ्य-पुस्तक)

9. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए-**

आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं | ठंडी पुरवाई चल रहीं | ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी | यह क्या है- यह कौन है ! यह पूछना न पड़ेगा | बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं | उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रहीं है | उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग को ओर भेज रहा है और कुछ को उस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर ! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती है; हलवाहों के पैर ताल से उठते हैं; रोपनी करनेवालों की अंगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं ! बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू ! |

(क) गद्यांश में किस ऋतू का वर्णन है?

(ख) बालगोबिन भगत के रोपनी के समय गाये जाने वाले संगीत का लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा?

(ग) भगत के संगीत को जादू क्यों कहा गया?

10. निम्नलिहित प्रश्नो के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

(क) फादर बुल्के नेसण्याचे की परंपरागत सभी से अलग एक नई छवि प्रस्तुत की है, कैसे?

(ख) उनकी आँखे जब मूर्ति की ओर उठी तो वहाँ उन्हें क्या परिवर्तिन नज़र आया ? उसे देखकर उन्होंने कैसे प्रतिक्रिया व्यक्त की?

(ग) गाँव का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश आषाढ़ चढ़ते ही उल्लास से क्यों भर जाता है?

(घ) खीरा खाने की इच्छा होने पर भी लेखक ने इनकार क्यों कर दिया?

11. **निम्नलिखित पद्यांश को पड़कर दिए गए प्रश्नो के उत्तर लिखिए -**

डार द्रुम पालना बिछौना नव पल्लव के,
सुमन झिंगुला सोहै तन छबि भारी दै |
पवन झुलावै, केकी-कीर बतरावै 'देव',
कोकिल हलावै-हुलसावै कर तारी दै |
पूरित प्राग सों उतारो करै राई नोन,
कंजकली नायिका लतान सिर सारी दै |
मदन महीप जु को बालक बसंत ताहि,
प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै ||

(क) बसंत ने कैसे वस्त्र पहने हुए हैं?
(ख) राई-नोन से टोटका करने की जगह बसंत की नज़र किस-से उतारी गई?
(ग) पराग कणों को देखकर कवि के मन में क्या कल्पना आती हैं?

12. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर- संक्षेप में लिखिए:**

(क) शिशु को बाहरी संसार से मिलाने में माँ की क्या भूमिका होती है?
(ख) गोपियों ने ऐसा क्यों समझ लिया कि श्रीकृष्ण ने राजनीति की शिक्षा प्राप्त कर ली है?
(ग) श्रीकृष्ण की हँसी की तुलना कवि ने चाँदनी से क्यों की हैं?
(घ) 'छोटे से जीवन' और 'बड़ी कथाएँ' का गूढ़ आशय स्पष्ट कीजिए |

13. "फाइलें सब कुछ हजम कर चुकी हैं |' कथन के आलोक में वर्तमान व्यवस्था की कार्य प्रणाली पर टिप्पणी कीजिए |

खण्ड-घ

('लेखन')

14. **दिए गए संकेत बिन्दुओ के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए -**

(क) विनिवेशीकरण बनाम निजीकरण

संकेत-बिंदु: 1. सार्वजनिक क्षेत्रों के उद्यम भारतीय अर्थव्यवस्था कि रीढ़, 2. विनिवेशीकरण का सकारात्मक पक्ष, 3. लाभकारी उपक्रम, 4. निजीकरण का अभिप्राय

अथवा

(ख) आतंकवाद

संकेत-बिंदु: 1. भारत में आतंकवाद, 2. वर्ल्ड ट्रैड सेंटर पर हमला, 3. भारतीय संसद पर हमला, 4. आतंकवाद का समाधान,

अथवा

(ग) ऊर्जा कि बढ़ती माँग

संकेत-बिंदु: 1. नवीं स्रोतों कि आवश्यकता, 2. ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों का समाप्त होना एक भयावह स्थिति, 3. हमारी ऊर्जा पर निर्भरता |

15. तेजस्विन आपका मित्र है और उसने नेशनल स्तर पर ऊँजी कूद में स्वर्ण पदक प्राप्त कर देश का नाम रोशन किया है, उसे बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

16. **निम्नलिखित गद्यांश का शीर्षक लिखकर एक-तिहाई शब्दों में सार लिखिए:**

पीड़ित मानवता की तन-मन से सेवा करना महान कार्य है | ऐसे महान कार्य है | ऐसे महान कार्य महामानव ही करते हैं | भारत में समय-समय पर अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया है उन्होंने मानवता कि अनुपम सेवा कि है | पराधीन भारत में स्वामी दयानंद, लोकमान्य तिलक, सरदार पटेल, सुभाषचंद्र बोस आदि अनेक नेताओं ने भारत कि सेवा की | उन सब में महात्मा गांधी वास्तव में महामानव थे | वे युग प्रवर्तक थे | उन्होंने सत्य और अहिंसा के मार्ग से भारत की स्वाधीनता का संघर्ष किया | हरिजन और निर्धनों को कुटीर धंधों का महत्त्व समझाया | उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि उनके सपनों को साकार करने में है |

आदर्श प्रश्न- पत्र - 2

संकलित परीक्षा - I

विषय - हिंदी 'अ'

कक्षा - दसवीं

निर्धारित समय: 3 घण्टे | **अधिकतम अंक: 90**

खंड-क

(अपठित गद्यांश)

1. **(क)** (i) दीनबंधु अर्थात् गणेश विद्यार्थी की मृत्यु पर
   (ख) (iii) गणेश शंकर की मृत्यु पर
   (ग) (i) धीरे-धीरे जलना
   (घ) (iii) दीनबंधु
   (ङ) (ii) ता

2. **(क)** (iii) उपर्युक्त दोनों
   (ख)(iii) ढाका
   (ग) (i) द्वंद्व समास
   (घ) (ii) मनीषचंद्र घटक
   (ङ) (iii) महाश्वेता: एक परिचय

3. **(क)** (i) समय की महत्ता
   (ख) (iii) उपर्युक्त दोनों
   (ग) (iv) उपर्युक्त सभी
   (घ) (iii) उपर्युक्त दोनों का
   (ङ) (iv) उपर्युक्त सभी

4. **(क)** (iv) उपर्युक्त सभी
   (ख) (iii) उपर्युक्त सभी
   (ग) (i) बरगद सामंतवाद तथा छोटे पौधे समाज के दबे कुचले लोगों के
   (घ) (i) क्योंकि वे बड़े वृक्ष की छत्र-छाया में स्व-विकास से परे हैं
   (ङ) (i) खतरों का सामना करना

खण्ड - ख

(व्याकरण)

5. **(क)** मिश्र वाक्य |
(ख) मिश्र वाक्य |
(ग) संयुक्त वाक्य
(घ) संयुक्त वाक्य से |

6. **(क)** लड़के से तैरा जाता है |
(ख) हरीश के द्वारा निबंध पढ़ा जाता है |
(ग) मैंने पत्र लिखा |

7. **(क)** व्यक्तिवाचक संज्ञा |
(ख) विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन |
(ग) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, 'हो जाता है' क्रिया का विशेषण |
(घ) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकार, 'है' क्रिया का कर्ता |

8. **(क)** श्रृंगार रस (श्रृंगार का भेद संयोग श्रृंगार)
(ख) उत्तर- उत्साह
(ग) भयानक रस
(घ) वात्सल्य

खण्ड - ग

(पाठ्य-पुस्तक)

9. **(क)** गद्यांश में वर्षा ऋतू/अषाढ़ का वर्णन है |
(ख) बालगोबिन भगत द्वारा गाए जाने वाले गाने में मंत्रमुग्ध हो लोग अनूठे क्रम से काम करने लगे|
(ग) बालगोबिन भगत के संगीत को जादू कहा गया है, क्योंकि उनका संगीत सबके दिल को छूता था, क्योंकि बच्चे मस्त तथा स्त्रियाँ गुनगुनाने लगती थीं तथा किसानों के काम में लय आ जाती थी|

10.**(क)** फादर बुल्के ने संयासी के परंपरागत छवि से अलग एक नई छवि प्रस्तुत की क्योंकि संन्यासी का जीवन संसार को त्याग कर प्रभु स्मरण में जीवनयापन करने एवं दूसरों के दु:ख-दर्द दूर करने का होता है, लेकिन फादर कामिल बुल्के का जीवन ऐसे संन्यासियों से भिन्न संसार की भूमि में कर्म करते हुए बीता | उन्होंने आम व्यक्ति की तरह जीविकोपार्जन नौकरी के भरसक प्रत्यन किए | भारतीय के संस्कारों और उत्सवों में सम्मिलित हुए | वे सभी से पारिवारिक संबंध बनाते | अपनी माँ बहन के प्रति अगाध प्रेम और कर्तव्यों के निर्वाह की चिंता हमेशा सताती थी | इन सभी बातों से फादर बुल्के परंपरागत संन्यासी से भिन्न थे |

(ख) उनकी आँखे जब मूर्ति की ओर उठी तो उन्होंने देखा कि मूर्ति की आँखे बिना चश्मे की नहीं हैं, बल्कि उन आँखों पर सरकंडे से बना एक छोटा-सा चश्मा रखा हुआ है, जैसा बच्चे बना लेते हैं | उसे देखकर उन्होंने जीप रुकवाई और जीप से कूदकर तेज-कदमो से मूर्ति के पास पहुँचे और ठीक सामने जाकर अटेंशन में खड़े हो गए | उनकी आँखें भी भर आई |

(ग) गाँव में किसानों की संख्या अधिक होती है | उनका मुख्य धंधा खेती होता है | ज्येष्ठ की तपती गर्मी के पश्चात आषाढ़ मास में बादल उमड़कर वर्षा करने के लिए आ जाते हैं | इससे किसानों के हृदय में प्रसन्नता का भाव भर जाता ही | वर्षा की रिमझिम आरंभ हो जाती है | किसान धान की रोपाई का काम आरंभ कर देते हैं | गाँव के लोग खेतों में काम पर लग जाते हैं |

(घ) खीरा खाने की इच्छा होने पर भी लेखक ने इसलिए इनकार कर दिया, क्योंकि पहले जब नवाब साहब ने उससे खीरा खाने का आग्रह किया था, तब उसने मना कर दिया था | लेखक ने सोचा कि यदि मैं अब खीरा खाने के अनुरोध को स्वीकार करता हूँ, तो नवाब साहब के मन में मेरे प्रति सम्मान की भावना नहीं रहेंगी | इस प्रकार अपना आत्म-सम्मान बनाए रखने के उद्देश्य से उसने खीर खाने से इनकार कर दिया |

11.**(क)** बसंत ने फूलों से बना ढीला-ढाला झबला पहना हुआ है |

(ख) बसंत की नजर फूलों के पराग से उतारी गई |

(ग) पराग कणों को उड़ता देखकर कवि के मन में कल्पना आती है कि शायद बंसत रूपी शिशु की माँ उसकी नज़र उतारने के लिए उसके सिर से नोन-राई घुमा रहीं है |

12.**(क)** शिशु की प्रथम गुरु उसकी माँ होती है | वही उसे शेष संसार से मिलती है | वही अच्छे-बुरे और अपने-पराए का भेद करना सिखाती है | वही उसका प्रिय संसार बनाती है | वह जिस किसी के साथ चाहे शिशु को जोड़ देती है| कवि भी शिशु से अनजान था | इसलिए वह कवि को घूरे जा रहा था | जब माँ ने उसे कवि से परिचित कराया तो जल्दी ही मुसकराने लगा | इस प्रकार माँ ही बच्चे को समाज और संसार से मिलाती है |

(ख) श्री कृष्ण ने राजनीति की शिक्षा प्राप्त कर ली है, गोपियों ने यह इसलिए समझा क्योंकि वह राजनीति के क्षेत्र में अपनाई जाने वाली कुटिलता और छलपूर्ण चालें गोपिओं के साथ चलने लगे हैं | उन्होंने अपने स्वार्थ के लिए गोपियों का सुख-चैन लिया है और उन्हें दुख पहुँचाने का प्रयास किया है | उधौ को योग का संदेश देकर भेजना भी उनकी ऐसी ही छलपूर्ण नीति थी |

(ग) जिस प्रकार चाँद की चाँदनी चारों ओर फैलकर वातावरण को सुंदर बना देती है, उसी प्रकार श्रीकृष्ण की हँसी भी सभी के चेहरे पर ख़ुशी ला देती है | इसलिए कवि ने श्रीकृष्ण की हँसी की तुलना चाँदनी से की है |

(घ) कवि स्वयं को बहुत सामान्य व्यक्ति कहता है इसलिए वह अपने जीवन को छोटा-सा जीवन कहता है | 'बड़ी कथाओं' का आशय है - महान बातें, ऊँची बातें | कवि अपनी सामान्य जिंदगी की बड़ी-बड़ी बातें करके बनावटी रूप से महान सिद्ध नहीं करना चाहता |

13. प्रश्नोक्त कथन वर्तमान व्यवस्था की पोल खोल देता है | आज भी सरकारी कार्यालयों में फाइलें सब कुछ हज़म कर जाती हैं | वर्षों कार्य ठंडे बस्ते में पड़ा रहता है लोग परेशान होते रहते हैं परंतु न तो उस कार्यालय के अधीक्षक को फिक्र होती है और न ही सरकार को | जनता के समय का कोई महत्व नहीं | वे अपनी मर्जी से जब चाहे काम करेंगे अन्यथा वह कार्य वैसे ही फाइलों में दम तोड़ता रहेगा | आस्सी प्रतिशत सरकारी कार्य सिर्फ कागजों पर होता है, कागज़ों पर सिंचाई होती है, कागजों पर गरीबी दूर होती हैं, कागजों पर बेरोजगारी भत्ते दिए जाते हैं, कागजों पर सारे विकास कार्य होते हैं और कार्यों के भरोसे हमारी सरकार खड़ी होती है | कागजों पर हुई कार्यवाही अगर वास्तविकता में बदल जाए तो हमारा देश स्वर्ग बन जाएगा | परंतु क्या स्वर्ग या नरक हमारी अपनी कार्यप्रणाली है? लोग भूख से, अत्याचार से मर रहे हैं, पर हमें किसी से कोई मतलब नहीं कागज़ी कार्यवाही जारी है |

खण्ड-घ

('लेखन')

14. **(क) विनिवेशीकरण बनाम निजीकरण**

जब कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का बोलबाला था तब इसे निजीकरण कहा जाता था, अब उसे ही नाम बदलकर विनिवेशीकरण कहा जाने लगा है, क्योंकि देश कि जनता द्वारा चुनी गई सरकारों के लिए 'निजी' शब्द बार-बार दोहराना सोभा नहीं देता है |

विनिवेशीकरण के सकारात्मक पक्ष को देखें तो पाते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों से देश को बहुत नुकसान हो चुका है | जिन पैसों को गरीबी हटाओं अभियान, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं और जरूरतों पर लगाया जाना चाहिए, उन पैसों को सार्वजनिक क्षेत्र बीमार प्रतिष्ठानों को जिन्दा रखने के लिए किया जा रहा है |सार्वजनिक प्रतिष्ठानों के विनिवेश या निजीकरण के प्रति सरकार भी गंभीर नहीं है |

सार्वजनिक क्षेत्र के कई उपक्रम हैं जो लाभ कि स्थिति में हैं | टेलीफोन व ऑयल के क्षेत्र में सरकार का वर्चस्व है | इन क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा न के बराबर है, इस कारण ये सभी उपकरण लाभकारी हैं | इसलिए इन लाभकारी उपक्रमों का निजीकरण करने कि आवश्यकता नहीं है | राष्ट्रीय हित में ऑयल, रेलवे और रक्षा उत्पादन से जुड़ी कंपनियों को निजीकरण के प्रभाव से दूर ही रखना चाहिए |

विनिवेश या निजीकरण का विरोध यह कहकर किया जाता है कि उससे देश में बेरोजगारी बढ़ेगी व विकास ठप्प हो जाएगा | यह सच नहीं है, बल्कि सच्चाई तो इसके ठीक विपरीत है | यह सही है कि विनिवेश निजीकरण और उद्योगों को बंद कर देने से श्रमिकों का हित प्रभावित होगा व बेरोजगारी बढ़ जाएगी | इसका समाधान सोचना चाहिए | सरकार को बंद होने वाले या फिर निजीकरण वाले उद्योग में श्रमिक को पी.एस. योजना का लाभ और अगर दूसरे विभागों में कर्मचारियों को रखने कि गुंजाइश हो तो समायोजित करना चाहिए |

निजीकरण का अभिप्राय है - सरकारी नियंत्रकों से उन्मुक्ति ताकि संसाधन, प्रबंधन, उत्पादन या वितरण-विपणन में अहस्तक्षेप एवं प्रतियोगितात्मक क्षमता विकसित हो | सामाजिक उत्तरदायित्व कि

व्यापक आशा को सँजोए इन उपक्रमों के स्थापना बिंदु था - औद्योगिक एवं बुनियादी ढाँचा तैयार करना, रोजगार का अवसर प्रदान करना, संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना एवं आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का सृजन कर निजी आर्थिक विकास के दुश्चक्र को रोकना |

अथवा

(ख) आतंकवाद

आतंकवाद एक ऐसी विचारधारा है जो अपने लक्ष्य कि प्रप्ति के लिए बल प्रयोग में विश्वास करती है | ऐसे बल प्रयोग प्राय: विरोधी वर्ग के लोग दल या संघ बनाकर जाती, समाज और देश में अपने राजनीतिक स्वार्थों कि पूर्ति के लिए गैर कनूनी ढंग से हिंसात्मक साधनों का सहारा लेकर समुदाय या संप्रदाय को भयभीत करने और उस पर अपनी प्रभुता स्थापित करने कि कोशिश करते हैं |

आजादी के बाद देश में अनेक आतंकवादी संगठनों द्वारा आतंकवादी हिंसा का प्रचार-प्रसार किया गया है | अनेक बड़े-बड़े सरकारी अधिकारियों कि मौत के घाट उतार दिया है | फलस्वरूप अनेक अधिकार अपने पदों पर बने रहने से कतरा रहे हैं |

सन् 2001 में 11 सितंबर को विश्व के सबसे खतरनाक आतंकवादी ओसामा बिन लादेन ने विश्व् के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका के वर्ल्ड ट्रैड सेंटर को धराशायी कर दिया इसके अलावा विश्व कि सबसे सुरक्षित इमारत समझी जाने वाली पेंटागन पर भी अपहृत विमान को गिरा दिया | घटना में हजारों लोग मारे गए | घटना के बाद कई माह तक अमेरिका ओसामा बिन लादेन को ढूँढ़ता रहा लेकिन वह उसके हाथ नहीं चढ़ा | अब तक विश्व इतिहास में आतंकवाद कि यह सबसे बड़ी घटना थी|

उसी प्रकार 26 नवंबर, 2008 को मुम्बई में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा आतंक का भयंकर रूप प्रकट किया गया | इन आतंकवादियों ने मुंबई के होटल ताज, होटल ऑबराय तथा नरीमन हॉउस में घुस कर खुलेआम गोलियाँ चलाई और वे तीन दिनों तक उस पर कब्जा जमाए रहे | अंत में ये कमांडों द्वारा मार दिए गए | परंतु इस आतंकी कार्यवाही में अनेक अधिकारी और सुरक्षाकर्मी तथा आम नागरिक गोलियों के शिकार हुआ | इस घटना ने पुरे देश को हिलाकर रख दिया|

इस समस्या का वास्तविक हल ढूँढने के लिए सर्वप्रथम सरकार को अपनी गुप्तचर एजेंसियों को सशक्त और विशेष सकिय बनाना चाहिए | दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि सीमा-पार से प्रशिक्षित आतंकवादियों के प्रवेश और वहाँ से भेजे जाने वाले हथियारों व विस्फोटक पदार्थों कड़ी चौकसी रखनी होगी | ऐसे घुसपैठियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए | तीसरे, आतंकवाद को महिमामंडित करने वाली मानसिकता बदलने के लिए प्रयास करने होंगे बड़े खेद का विषय है कि महावीर, बुद्ध और गांधी कि यह धरती आतंकवाद से आतंकित है | ऐसे अवसर पर हम सब भारतवासी आत्मवलोकन करें और एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने के बजाय सह अस्तित्व व सर्वधर्म समभाव कि भावना को बढ़ावा दें | हम कर्मवीर हैं | हमने हमेशा से संकटों और विपदाओं से संघर्ष किया है | हमें हमें आतंकवाद को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्प लेना होगा |

अथवा

(ग) ऊर्जा कि बढ़ती माँग

उर्जा मानव कि सबसे अनिवार्य आवश्यकताओं में से एक है | विकासशील राष्ट्रों के जीवन-स्तर में सुधार लाने के लिए ऊर्जा में आत्मनिर्भरता आवश्यक है | लेकिन वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह बिलकुल दुरूह-सा लगता है |

इस समय हम ज्यादातर ऊर्जा परंपरागत स्रोतों से प्राप्त करते हैं | प्रथम बार दुनिया के विकसित और विकासशील राष्ट्र 1973 में एक मंच पर एकत्र होकर इस समस्या की गंभीरता पर विचार करने आए योजनकारों ने यह महसुस किया कि विश्व कि बढ़ती ऊर्जा माँग को परंपरागत स्रोत कोयला, तेल और बिजली से पूरा नहीं किया जा सकता है | इन संसाधनों का प्राकृतिक दोहन केवल कुछ सीमाओं तक ही किया जा सकता है | कुछ समय के पश्चात् ये स्त्रोत समाप्त हो जाएँगे | एक सर्वेक्षण के अनुसार ये स्त्रोत 30 वर्ष से ज्यादा नहीं चल पाएँगे |

ऊर्जा संकट का एक सबसे बड़ा कारण है बढ़ती आबादी | प्रत्येक वर्ष विश्व कि आबादी में 10 करोड़ की वृद्धि हो जाती है | इस बढ़ती आबादी से दुनिया को सर्वाधिक खतरा ऊर्जा के पारंपरिक स्त्रोतों का समाप्त होता हुआ भंडार है | साथ ही पर्यावरण में ओजोन परत को नुकसान पहूँचाने और कार्बनिक रासायनिक गैसों से पर्यावरण संतुलन के पुर्णतः बिगड़ जाने का खतरा है | मानव सभ्यता के इतिहास में विश्व के समक्ष कभी इतनी विकट समस्या पैदा नहीं हुई; जितनी आज ऊर्जा संकट से उपस्थितहुई है |

आज ज्यों-ज्यों मानव समाज का विकास होता जा रहा है त्यों-त्यों ऊर्जा कि खपत बढ़ती जा रही है | हम सभो कार्यों के लिए ऊर्जा पर निर्भर रहने लगे हैं | यातायात के साधनों को चलाने के लिए कोयले का इस्तेमाल किया जाता था कोयले का दोहन जब कर लिया गया ताब डीजल का और फिर विद्युत् से उसका संचालन होने लगा | फैक्ट्रियों के लिए विद्युत्, कोयला, पेट्रोलियम पदार्थ सभी कि आवश्यकता है |

निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि भारत ही नहीं, विश्व समुदाय के सामने अभी सबसे बड़ी समस्या के रूप में ऊर्जा संकट है | मानव का विकास जिस गति से हो रहा है | उसी गति से ऊर्जा कि माँग भी बढ़ रही है | हम आवश्यकता के अनुरूप माँग कि पूर्ति करने में अक्षम रहें है |विश्व समुदायों के पास दोनों प्रकार के साधन हैं | ऊर्जा के अपव्यय पर अंकुश लगाकर भी हम इस दिशा में सार्थक सहयोग प्रदान कर सकते हैं |

15. दिलशाद गार्डन,
नई दिल्ली।
दिनांक: ....
प्रिय तेजस्विन,
मधुर स्नेह!

कल तुम्हारा पत्र मिला। मुझे यह समाचार पढ़कर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि तुमने नेशनल स्तर पर ऊँची कूद में स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। तुम्हारी यह सफलता प्रशंसा के योग्य है। मुझे तुमसे यही आशा थी। नेशनल स्तर पर स्वर्ण पदक पाना बड़े सम्मान की बात है। तुम्हारी इस सफलता पर तुम्हारे माता-पिता तो फूले नहीं समा रहे होगें। यहाँ पर तुम्हारे सभी मित्रगण भी तुम्हारी इस सफलता पर बहुत खुश हैं।

मेरे माता-पिता ने भी तुम्हें शुभकामनाएँ व आशीर्वाद भेजा है। भगवान से मेरी यही प्रार्थना है कि तुम इसी तरह अपने जीवन में सफलता प्राप्त करती रहो और अपने परिवार का नाम रौशन करो। तुम्हारी तरफ़ से मिठाई उधार रही। अपने माता-पिता को मेरा नमस्कार कहना। तुम्हारे पत्र की प्रतीक्षा रहेगी। पत्र अवश्य लिखना।

तुम्हारा मित्र,

कमल

16. मानवता कि तन-मन से सेवा करने वाले महात्मा गांधी महामानव है | भारत की आज़ादी के लिए अनेक नेताओं ने कार्य किए, लेकिन गांधी जी का सत्य और अहिंसा का संघर्ष ही विजयी हुआ | उनको सच्ची श्रद्धांजलि यह होगी कि हम उनके बताए कार्यों पर अमल करें |